Paper - II

MT

2018 1100

MT - HINDI (COMPOSITE) (SECOND OR THIRD LANGUAGE) (H) - PRELIM - I - PAPER - II

Time : 2 Hours **Preliminary Model Answer Paper** **Max. Marks : 40**

विभाग 1 - गद्य

उ.1. क) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए :-

1) 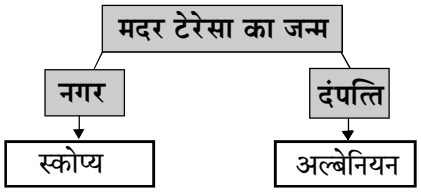

1

ii) **उचित पर्याय चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।** **1**

(1) वे एक रोमन **कैथोलिक** संगठन की सक्रिय सदस्या थीं।

(2) मात्र **बारह** वर्ष की उम्र में उनके विराट हृदय में करुणा का बीज अंकुरित हो उठा।

2) i) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

(1) दया → करुणा

(2) ममता → वात्सल्य

ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिंग परिवर्तन कीजिए।** **1**

(1) बच्चा × बच्ची

(2) माता × पिता

3) मानवसेवा बहुत बड़ी सेवा है । सभी धर्मों में इसे महत्त्व दिया गया है । इसलिए सभी धर्मों के अनुयायिओं ने मानवसेवा के लिए अलग - अलग तरह की संस्थाएँ बनाई हैं । कहीं रोगियों की सेवा - सुश्रुषा के संस्थान हैं तो कहीं कोढ़ियों के लिए कुष्ठाश्रम, तो कहीं प्यासे लोगों के लिए प्याऊ खोले गए हैं । यात्रियों के ठहरने के लिए धर्मशालाएँ बनवाई गई हैं, तो कहीं अनाथों के लिए अनाथाश्रम बनवाए गए हैं । इस प्रकार अनेक प्रकार से मानवसेवा को महत्त्व दिया गया है । **2**

उ.1.	**ख) परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	i) **उचित पर्याय चुनकर पूर्ण वाक्य फिर से लिखिए।**	1
	(1) अपनी शक्ति से अधिक काम करना **<u>हानिकारक होता है।</u>**	
	(2) खरगोश काँटो की एक झाड़ी में गिरकर **<u>लहूलुहान हो गया।</u>**	
	ii) **समझकर लिखिए।**	1
	(1) कई स्टेशनों के बाद खड़ी होती है।	
	(2) उसकी चाल तेज होती है।	
2)	i) **सही शब्द तैयार कीजिए।**	1
	(1) हू | लु | न | हा | ल = लहूलुहान	
	(2) र | ड़ | क | त | प = तड़पकर	
	ii) **निम्नलिखित शब्दों के लिए विलोम शब्द परिच्छेद से ढूँढ़कर लिखिए।**	1
	(1) उपर × नीचे (2) फायदा × नुकसान	
3)	विविध जीवों वाली इस धरती पर पक्षियों व जानवरों का अपना अलग संसार है। हमारे देश में भी विविध पक्षी व पशु पाए जाते हैं। जैसे-कबूतर, तोता, मैना, पपीहा, कोयल, शेर, चीता, भालू, हिरन हाथी, आदि। ये पशु - पक्षी भारत के जनजीवन से जुड़े हुए हैं, परंतु मानवीय अतिक्रमण के कारण आए दिन इनकी संख्या घटती जा रही है। हर व्यक्ति को सरकार द्‌वारा जंगली प्राणियों की सुरक्षा के लिए बनाए गए नियमों का पालन करना चाहिए और इनका संरक्षण करना चाहिए ।	2
	विभाग 2 - पद्‌य	
उ.2.	**(च) पद्‌यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**	
1)	i) **उत्तर लिखिए।**	1
	(1) भौतिक विकास के साथ, मानवता का विकास भी हो।	
	(2) मानवता का गला घोंटकर किए जाने वाला भौतिक विकास।	
	ii) **उचित पर्याय चुनकर लिखिए।**	1
	(1) मनुष्य में पनपना ही चाहिए **<u>मनुष्यता का भाव।</u>**	
	(2) आज विश्व की निगाहें इन पर लगीं हैं - **<u>बापू पर।</u>**	

2) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए।** **1**

i) श्लाघ्य → प्रशंसनीय

ii) लोचन → नेत्र

3) गांधीजी ने हमें सिखाया है कि हमें कभी भी हिंसा नहीं करनी चाहिए। अपने कार्य से सावधान रहना चाहिए। कोई कार्य छोटा या बड़ा नहीं होता। हमें हर कार्य को परिश्रम और लगन से करना चाहिए। हमें राष्ट्र की एकता पर बल देना चाहिए और धर्म निरपेक्षता का सम्मान करना चाहिए। **2**

उ.2. **(छ) पद्यांश पढ़कर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

1) i) **उत्तर लिखिए।** **1**

(1) कुँवर कन्हाई के रंग जैसा।

(2) जामुन के रंग जैसा।

ii) **उचित पर्याय लिखिए।** **1**

(1) वर्ष का पहला महिना **चैत्र** ।

(2) जामुन का रंग होता है **कोकिल जैसा** ।

2) **पर्यायी शब्द लिखकर आकृति पूर्ण कीजिए ।** **1**

i) सर्दी → जाड़ा

ii) प्रतिदिन → नित्य

3) तोता हमारे देश में प्राचीनकाल से ही एक लोकप्रिय पक्षी रहा है। यह बहुत समझदार होता है, तोते का हरा रंग, लाल चोंच, कंठ में काली पट्टी और कोमल पंख लोगों को मुग्ध कर देते हैं। चिड़िया घरों में तोते की कई जातियाँ पाई जाती हैं। तोते को पालना बहुत आसान है, यह अमरूद व अन्य फल तथा मिर्च बड़े चाव से खाता है और यह परिवार में सभी के साथ हिल-मिल जाता है। **2**

विभाग 3 - व्याकरण

उ.3. **पद्यांश पढ़कर दी गई सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।**

1) **मानकवर्तनी के अनुसार शब्द चुनिए ।** **1**

i) वाराणसी

ii) कृतज्ञता

2) **निम्नलिखित अव्यय का अर्थपूर्ण वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

हौले-हौले - सुराही भी प्यार से **हौले-हौले** साथ चलती थी ।

3) i) **काल पहचानिए ।** **1**

पूर्ण वर्तमानकाल ।

ii) **कालपरिवर्तन कीजिए ।** **1**

वह सभी परिवर्तनों को सहजता से स्वीकार **करता है**।

4) i) **अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का प्रयोग करके वाक्य फिर से लिखिए ।** **1**

श्रवणकुमार के अंधे माता - पिता ने अपने पुत्र के लिए शोक करते - करते **दम तोड़ दिया ।**

ii) **निम्नलिखित मुहावरे का अर्थ लिखकर वाक्य में प्रयोग कीजिए ।** **1**

अलंकृत करना - सम्मानित करना।

वाक्य - कक्षा दसवीं में राज्यस्तर पर प्रथम आने पर टीना को कई पदकों से **अलंकृत किया गया ।**

विभाग - 4 - रचना

उ.4. **1)** **निम्नलिखित जानकारी के आधार पर पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए ।** **4**

रमेश पटेल
50, रामपुर,
नासिक - 546005
दिनांक - 5 मार्च,2017

सेवा में,
श्रीमान उपअभियंता जी,
महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल,
नासिक - 546005 ।

विषय : बिजली के बिल के अधिक आने के संबंध में शिकायत पत्र।

माननीय महोदय,

मैं महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल की बिजली का उपयोग वर्षों से कर रहा हूँ। मेरा उपभोक्ता क्रमांक 101625 है।

बड़े दुख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि फरवरी, 2017 का मेरा बिजली का बिल अनुमान से अधिक आया है। बिजली का उपयोग हमेशा की तरह ही हो रहा है फिर बिल इतना अधिक क्यों आया है ? मेरे घर में न तो फ्रिज

है और न ही वाशिंग मशीन। कपड़े भी बाहर से प्रेस करवाते हैं। अनावश्यक लाइट और पंखे का भी प्रयोग नहीं किया जाता, फिर भी इस महीने (फरवरी) का बिल पिछले महीने (जनवरी) के बिल से दो गुना आया है। यह चिंता का विषय है।

अत: आपसे प्रार्थना है कि इस विषय पर ध्यान दें और उचित कार्यवाही करें। इस पत्र के साथ 'फरवरी' और पिछले पाँच बिलों की झेराक्स प्रतियाँ संलग्न हैं।

कष्ट के लिए क्षमाप्रार्थी हूँ ।

धन्यवाद !

भवदीय,

रमेश पटेल।

टिकट

सेवा में,

श्रीमान उपअभियंता जी,

महाराष्ट्र राज्य बिजली मंडल,

नासिक - 546005।

प्रेषक,

रमेश पटेल,

50, रामपुर,

नासिक - 546005 ।

2) सरल हिंदी में अनुवाद कीजिए । **4**

1. बल की अपेक्षा बुद्धि में अधिक शक्ति होती है ।
2. हमें अपने जीवन में कठिनाइयों से निराश नहीं होना चाहिए ।
3. हमारी निरंतर बढ़ती हुई आवश्यकताएँ दु:ख और चिंता बढ़ाती है ।
4. संतुष्ट और सादगीपूर्ण जीवन मनुष्य को प्रसन्न रखता है ।

3) निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग 60 से 80 शब्दों में रोचक कहानी लिखकर उसे उचित शीर्षक दीजिए । **4**

बुद्धिमान ईश्वर

एक व्यापारी कई सालों से गाँव-गाँव घूमकर व्यापार करता था। जब वह कभी थक जाता तो किसी बड़े पेड़ की छाँव में विश्राम करता, वहीं खाना खाता और फिर दूसरे गाँव के लिए रवाना हो जाता। कई बार वह मेरे जैसा बुद्धिमान कोई नहीं है यह सोचकर मन ही मन बहुत प्रसन्न होता था।

एक बार वह सदैव की भाँति व्यापार के लिए घर से निकला। दो-चार गाँव घूमने पर वह थक गया। उसने थोड़ी दूर पर एक तालाब देखा। उसके पास एक बहुत बड़ा आम का पेड़ भी था। उसने वहीं विश्राम करने का निश्चय किया।

अपने साथ लाया हुआ भोजन कर उसने ठंडा पानी पीया और पेड़ के नीचे ठंडी छाँव में विश्राम करने लगा। अचानक उसकी नजर पेड़ पर पड़ी। उसमें आम के कच्चे फल लगे हुए थे। व्यापारी विचार करने लगा कि 'ईश्वर भी बड़ा विचित्र है, उसने इतने बड़े पेड़ पर छोटे फल क्यों लगाए ? बड़े पेड़ पर तो बड़े फल होने चाहिए। छोटी-छोटी लता पर तरबूज और खरबूज जैसे बड़े-बड़े फल लगते हैं। कितनी अजीब बात है।' तभी अचानक एक आम उसके सिर पर गिरा और सारी बात उसकी समझ में आ गई।

उसने ईश्वर से क्षमा माँगी और सोचने लगा कि यदि इस वृक्ष पर बड़ा फल लगा होता और वह मेरे सिर पर गिरा होता तो मैं मर जाता। ईश्वर ही महान बुद्धिमान है। वह जो करता है, सोच समझकर ही करता है।

सीख : इस कहानी से हमें यह सीख मिलती है कि भगवान जो भी कार्य करता है, वह सोच- समझकर ही करता है। अत: उस पर हमें पूर्ण रूप से विश्वास करना चाहिए।

❖❖❖❖